कृष्ण सप्ताह

19 से 25 अगस्त को ओशो वर्ल्ड गैलेरिया, नई दिल्ली में कृष्ण सप्ताह आयोजित हुआ। पद्‌म विभूषण और सुप्रसिद्ध नृत्यांगना सोनल मानसिंह इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित थीं। प्रेम, नृत्य और उत्सव को समर्पित इस सप्ताह में नीले और हरे रंग घोले गये। कृष्ण को नीले रंग में चित्रित किया जाता है। नीला रंग गहराई का प्रतीक है, वह प्रेम को दर्शाता है, आत्मा की गहराई को दर्शाता है। सप्ताह और प्रदर्शनी की खबर को छापते हुए हिन्दुस्तान टाइम्स तथा दैनिक जागरण ने लिखा है 'सच है खुशी को बहाने की जरूरत नहीं होती। लेकिन जब कोई खुशी खास त्यौहार से जुड़ी हो तो उत्सव मनाने का आनंद दोगुना हो जाता है। कुछ ऐसे ही भाव पिछले दिनों सोनल मानसिंह के नृत्य में नजर आये जब वे अंसल प्लाज़ा स्थित ओशो वर्ल्ड गैलेरिया में कृष्ण सेलीब्रेशन कार्यक्रम में भाग लेने आईं। एक ओर कलाकारों के बनाये श्याम रंगों के वॉल पीस, ऑयल लैम्प्स, सेरेमिक कैंडल हॉल्डर और फ्लोटिंग बाउल्स प्रदर्शित किये गये थे तो दूसरी ओर एक कोने में मंच बनाया गया था।' सुश्री सोनल मानसिंह ने 'मैया मैं नहीं माखन खायो' आदि गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किया।

"कृष्ण इस पृथ्वी के पूरे जीवन को पूरा ही स्वीकार करते हैं। ये किसी परलोक में जीने वाले व्यक्ति नहीं, इस पृथ्वी पर, इसी लोक में जीने वाले व्यक्ति हैं। बुद्ध, महावीर का मोक्ष इस पृथ्वी के पार कहीं दूर है, कृष्ण का मोक्ष इसी पृथ्वी पर–यहीं और अभी है।"

– ओशो